वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 333 | मंगलवार 2 अप्रैल 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शीतलाष्टमी पर उद्यानों में दिखे संस्कृति के रंग।

जयपुर में शीतलाष्टमी का पर्व पारंपरिक अंदाज में बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के सभी पार्कों में दुल्हा-दुल्हन बनेजोड़े नजर आए।

राज्यपाल मिश्र पिंजरापोल गौशाला पहुंचे, गौ धन संरक्षण का किया आह्वान

राज्यपाल ने गौ-काष्ठ और अन्य उत्पादों तथा औषधीय पौधों के संरक्षण की सराहना की।
राज्यपाल ने गौशाला में कालभैरव प्राचीन मंदिर में दर्शन कर सबके मंगल के लिए की कामना।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को जयपुर स्थित पिंजरापोल गौशाला स्थित वैदिक वन औषधीय पौध केन्द्र पहुंचे । उन्होंने वहां गौ माता की पूजा कर गौ सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों, दुर्लभ औषधियों पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त की। पिंजरापोल गौशाला में उन्होंने प्राचीन काल भैरव मंदिर के भी दर्शन कर पूजा अर्चना कर सबके मंगल की भी कामना की। राज्यपाल ने गौशाला में गौ-माता की विभिन्न प्रजातियों और गौ-उत्पादों के निर्यात के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल मिश्र ने इस दौरान वनौषधियों के संरक्षण के साथ ही जैविक फसल उत्पादन, वनों के संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने गौ माता के गोबर से बनी लकड़ी, अन्य उत्पादों का उपयोग करने और गौ-धन संरक्षण के लिए सबको मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौ-माता हमारा पोषण करती है। गौ धन संरक्षण हम सभी का दायित्व है। इससे पहले उन्होंने वहां महिला स्वयंसमूह की गतिविधियों और उत्पादों का भी अवलोकन किया। इससे पहले राज्यपाल मिश्र के गौशाला पहुंचने पर अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने उनका स्वागत किया। उन्होंने गौशाला के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से उन्हें जानकारी दी।

लोकतंत्र रो रंगीलो त्योहार
मिशन 75 यूथ चला बूथ
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान

मेरा पहला वोट देश के लिए

Rotary DISTRICT 3056

International Vaish Federation Distt. Jaipur
ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN

Cordially Invites you in

VOTER AWARENESS PROGRAM

Thursday, 4 April, 2024 | 6:00 - 8:00 pm
Venue : Gaurav Tower, JLN Marg, Jaipur

in Association with

DISTRICT ELECTION OFFICE JAIPUR

LIONS CLUB DIST. 3233E-1

FORTI

JSGIF NORTHERN REGION

Musical Performance by :
A R Rahman Fame
Singer Dr. Gaurav Jain
Gurukul Fame
Singer Deepshikha Jain

Chief Guest

PRAVEEN GUPTA
Chief Election Officer

Distinguished Guest

PRAKASH RAJPUROHIT
Collector Jaipur

SHILPA SINGH
CEO - Jaipur Nagar Parishad

Special Attraction
Election Quiz and Prizes

Rtn. Sudhir Jain Godha
President
International Vaish Federation
Distt. Jaipur

CA Sanjay Pabuwal
Gen. Secretary
International Vaish Federation
Distt. Jaipur

Rtn. Rajesh Gangwal
President
Rotary Club Jaipur Citizen

Rtn. Kamal Barjatya
Secretary
Rotary Club Jaipur Citizen

Lion OP Gaggar
Distt. Governor
Lions Club

RK Gupta
Treasurer
International Vaish Federation
Distt. Jaipur

Rtn. Sanjay Agarwal
Treasurer
Rotary Club Jaipur Citizen

Sanwar Mal Jangir
Jan Prahari Rajasthan Patrika
Social Activist - Malviya Nagar Vidhansabha

Surja Ram Meel
Patron
FORTI

Mahendra Singhvi
Chairman
JSGIF Northern Region

PLEASE STAY WITH US FOR HIGH TEA

दिगम्बर जैन महासमिति के द्वारा भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

अजमेर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति के पदाधिकारियों द्वारा आज दिनांक 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिलाधीश महोदय भारती दीक्षित को ज्ञापन दिया । जिसमें मांग की गई कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के समय से ही जैन धर्म का प्रारब्ध माना गया है। कई लोग जैन धर्म को भगवान महावीर के समय से मानते हैं संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर सुशिल पाटनी ने कहा आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक पूरे देश व दुनिया में पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है जिसकी तैयारी काफी समय पूर्व से शुरू कर दी जाती हैं। ज्ञापन के अवसर पर महिला संभाग की रूपश्री जैन ने कहा कि इस दिन सवेरे से ही जैन समाज अपने मोहल्ले में रैलियां करता है,विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, रंगोली, व शाम को भजन संध्या, सामूहिक आरती व अन्य प्रकार के प्रोग्राम इस कल्याणक पर किए जाते हैं ज्ञापन देने वालों में मनोज मोडासिया, नाथू लाल जैन, रविंद्र जैन, राजेंद्र पाटनी, मनीष पाटनी, अजय दोशी, अनिल गंगवाल, सुनीता गंगवाल, अनुराग लूहाड़ियाँ अंकित लूहाड़ियाँ, महिला संभाग की कोषाध्यक्ष सुनीता गंगवाल, ऋचा लूहाड़ियाँ, मधु बिलाला व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गुलाबी नगरी जयपुर प्रताप नगर से. 8 में हुआ गुरूमाँ विज्ञाश्री माताजी का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रताप नगर से. 8 , जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरु माँ के पहुंचने पर बैंड बाजों से स्वागत किया। जिसमें जैन समाज का उत्साह देखते ही बन रहा था। अनेकों कालोनी से भक्तगणों नें सहभागिता निभाई। चौमूंबाग, प्रताप नगर, कल्याण नगर, मालवीय नगर, विवेक विहार, सीतापुरा, मांग्यावास समाज ने प्रवास हेतु श्रीफल चढ़ाया। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने जैन मंदिर में अपने प्रवचन में कहा कि कभी किसी का बुरा मत करो। यदि तुम किसी का भला करोगे तो उसका तुम्हें कई गुना अच्छा फल प्राप्त होगा। हमेशा देव शास्त्र गुरु की आराधना करो। अपने माता-पिता की सेवा करो, तभी तुम्हारा मनुष्य जन्म सार्थक है। माताजी ने प्रवचन करते हुए कहा कि वर्तमान में संत समागम ही इस युग में धर्म की नाव है। पूज्य माताजी के ससंघ का सोमवार 1 अप्रैल को रात्रि विश्राम कल्याण नगर में होगा। आगामी 2 अप्रैल को विवेक विहार जयपुर में भव्य गाजे - बाजे के साथ मंगल प्रवेश होगा । 3 अप्रैल को आदिनाथ जयंती के कार्यक्रम विवेक विहार में ही होगा।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में

मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT

सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक समाचार जगत

ROTARY CLUB JAIPUR &

ROTARACT CLUB OF AAYOJAN SCHOOL OF ARCHITECTURE

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर

GIVE BLOOD GIVE LIFE

गुरुवार, 4 अप्रेल 2024
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थानः- आयोजन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, सीतापुरा, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

Rtn. Ujas Chand jain President
Rtn. Piyush jain Secretary
Rtn. Naveen Kothari Director
Rtn. CA Durgesh Purohit Chairman

For any Information Contact : 9166244443, 9828454883

वेद ज्ञान

विचार मन का वेग है

विचार एक ऊर्जा (एनर्जी) है, जो मनुष्य के अंतःकरण में प्रकट होती है। जिस प्रकार मन के विकार से काम, क्रोध, लोभ आदि मनोवेग पैदा होते हैं, उसी प्रकार मन के विकार से विचार भी पैदा होता है। अभी तक हम विचार को भाव समझते रहे हैं, जिसका कोई अर्थ नहीं माना जाता था। हम यही समझते थे कि हवा के झोकों की तरह कुछ बात मन में उठती है और सागर की लहर की तरह विलीन हो जाती है। अब तक सागर की लहर को भी ऊर्जा नहीं माना जाता था, लेकिन अब यह बात सिद्ध हो चुकी है कि सागर की लहर में अपार ऊर्जा है। विचार मन का वेग है। जिस प्रकार काम, क्रोध के वेग से मनुष्य का व्यक्तित्व प्रभावित होता है, उसी प्रकार विचार के वेग से मनुष्य का संपूर्ण व्यक्तित्व प्रभावित होता है, लेकिन हमें उसका अनुभव नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी संवेदनशीलता अभी तक हमने पैदा नहीं की है। हमारा सेंस ऑर्गेन इतना संवेदनशील नहीं है कि विचार की उत्पत्ति के मूल स्रोत को जान सकें। इसलिए हमें पता नहीं चलता कि मन में विचार कहां से उत्पन्न होता है और कहां चला जाता है। विज्ञान अब पूरी तरह मानने लगा है कि विचार एक ऊर्जा है और बहुत ही शक्तिशाली ऊर्जा है। यह वेगवान भी है जो किसी भी वस्तु को आसानी से प्रभावित कर सकता है। पदार्थ एक स्थूल वस्तु है और विचार एक अतिसूक्ष्म ऊर्जा। इसीलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे अदृश्य और सूक्ष्म ऊर्जा से पदार्थ को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने प्रयोग करके सिद्ध कर दिया है कि विचार के परमाणु पदार्थ के परमाणु को आसानी से प्रभावित कर देते हैं। विचार के परमाणु में वेग अधिक होता है और पदार्थ का परमाणु किसी स्थूल वस्तु में छिपा रहता है। इसलिए उसमें वेग कम होता है। शायद इसीलिए आइंस्टीन ने कभी कहा था कि जो पदार्थ तुम देखते हो, वह तरंग है, ऊर्जा है, क्योंकि पदार्थ की अंतिम परिणति ऊर्जा है। पदार्थ से ही ऊर्जा बनती है और ऊर्जा से ही पदार्थ बनता है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान कहता है कि ऊर्जा का नाश नहीं किया जा सकता, उसका रूपांतरण हो सकता है। तब तो स्पष्ट हो गया कि काम, क्रोध आदि मन से उत्पन्न विचार पूर्ण रूप से ऊर्जा हैं।

संपादकीय

रूस के साथ संघर्ष विराम पर भारत के सुझाव की सराहना

यूक्रेन ने रूस के साथ चल रहे संघर्ष पर विराम लगाने के लिए भारत के सुझाए शांति फार्मूले पर भरोसा जताया है। इन दिनों यूक्रेन के विदेशमंत्री भारत की यात्रा पर हैं और उन्होंने भारतीय विदेशमंत्री के साथ बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग और समग्र संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। रूस-यूक्रेन संघर्ष को दो वर्ष से अधिक समय हो गया, मगर तमाम प्रयासों के बावजूद उस पर रोक नहीं लग सकी है। किसी न किसी बहाने,

कुछ-कुछ अंतराल पर रूस हमले तेज कर देता है। वह दो बार परमाणु अस्त्रों के इस्तेमाल की धमकी भी दे चुका है। हालांकि यूक्रेन शुरू से रूस के साथ बातचीत की इच्छा जाहिर करता रहा है, मगर रूस की शर्त है कि यूक्रेन नाटो की अपनी सदस्यता वापस ले ले, तभी कोई बातचीत हो सकती है। इस मामले में भारत ने भी कई बार दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से प्रत्यक्ष रूप से और फोन पर बातचीत की है। यूक्रेन शुरू से भारत के शांति फार्मूले पर अमल के पक्ष में रहा है, पर रूस अपने रुख में किसी तरह का लचीलापन नहीं दिखाता, इसलिए संघर्ष विराम की कोई सूरत नहीं निकल पाई है। भारत के रूस और यूक्रेन दोनों से मधुर संबंध हैं। रूसी राष्ट्रपति ने शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान भी हमारे प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया था कि वे यूक्रेन पर हमले रोकेंगे, मगर वहां से वापस लौट कर उन्होंने हमले और तेज कर दिए थे। रूस अब तक यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुका है। वहां भारी तबाही हुई है। दस लाख से ऊपर लोग निर्वासित हो चुके हैं और करीब इतने ही लोग अपनी ही जमीन पर एक तरह से यातना शिविर में रहने को अभिशप्त हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस तबाही को रोकने की कोशिश की, मगर उसे कामयाबी नहीं मिल सकी। दुनिया के तमाम देशों को लगता है कि अगर भारत मध्यस्थता करे, तो इसका हल निकल सकता है। मगर अड़चन रूस की तरफ से आ खड़ी होती है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन बातचीत में तो ऐसा जाहिर करते हैं कि वे यूक्रेन पर हमले रोकने को तैयार हैं, मगर व्यवहार में ऐसा कुछ भी करते नजर नहीं आते। दरअसल, यूक्रेन पहले रूस का ही हिस्सा हुआ करता था, पर अलग होकर स्वतंत्र देश बन गया था। अब उसने यूरोपीय देशों के सुरक्षा संगठन नाटो की सदस्यता ले ली है। रूस इसी को लेकर नाराज है। उसे लगता है कि इससे यूरोपीय देश बिल्कुल उसकी सीमा पर आ खड़े हुए हैं। रूस ने यूक्रेन को नाटो की सदस्यता लेने से रोका था, पर वह नहीं माना। उसे अपनी सुरक्षा सर्वोपरि नजर आती है। अब रूस की शर्त है कि यूक्रेन नाटो की सदस्यता छोड़ दे। मगर यूक्रेन इसके लिए तैयार नहीं है। ऐसे में यह समझना मुश्किल है कि अगर यूक्रेन भी अपने फैसले पर अडिग रहेगा और रूस भी अपनी शर्तों पर अड़ा रहेगा, तो शांति का फार्मूला लागू कैसे हो पाएगा। भारत सदा से शांति का पक्षधर रहा है, इसलिए जैसे ही दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ, उसने इसे रोकने की हर कोशिश की। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिमालयी चिंताएं?

हिमालयी क्षेत्रों में रेलवे, बांध, जल संबंधी परियोजनाओं और चार-लेन की राजमार्ग से जुड़ी सभी ढांचागत विशाल परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की केंद्र सरकार से मांग की गई है। 'पीपुल्स फॉर हिमालय' अभियान का संयुक्त रूप से नेतृत्व कर रहे संगठनों ने शनिवार को एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में लोक सभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों के लिए पांच सूत्री एक मांग पत्र पेश किया। इन परियोजनाओं से हिमालय जैसे बनिस्बत कच्चे या कहें कि युवा पहाड़ के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान से चिंतित संगठनों का कहना है कि इन परियोजनाओं की बहुआयामी समीक्षा किया जाना जरूरी हो गया है। इसलिए कि इनके क्रियान्वयन के क्रम में उद्योगपति पहाड़ की घाटियों और चोटियों का खुला और मनमाफिक दोहन कर रहे हैं, और इस कारण आने वाली आपदाओं का दंश स्थानीय लोगों को सहना पड़ रहा है। कहीं सुरंग बैठ जाती है, तो कहीं शहर का शहर जमींदोज होने की कगार पर है। जलवायु कार्यकताओं में इस बात को लेकर नाराजगी है कि बड़ी परियोजनाओं के जरिए 'विकास' के इन तौर-तरीकों से स्थानीय लोग प्रभावित होते हैं। जरूरी है कि परियोजना शुरू करने से पूर्व उन्हें विश्वास में लिया जाए। जनमत संग्रह और विचार-विमर्श करके ही किसी सर्वमान्य निर्णय पर पहुंचा जाए। कानूनन अनिवार्य हो कि परियोजना शुरू करने से पहले इनके पारिस्थितिकीय नुकसान के आकलन में जनभागीदारी भी होगी। अभी हो यह रहा है कि प्रोजेक्ट से प्रभावितों के पुनर्वास के लिए करदाताओं के धन का इस्तेमाल किया जाता है, और पहाड़ों की चोटियों और घाटियों का शोषण करने वाले उद्यमियों की कोई जवाबदेही नहीं होती। वे लाभ कमाकर निकल चुके होते हैं, और पारिस्थितिकीय व पर्यावरणीय क्षति से स्थानीय आबादी हलकान

और परेशान होती है। चरवाहे, भूमिहीन, दलित, जनजातियां और महिलाएं नीतिगत खामियों के चलते दरपेश आपदाओं और जलवायु संकट से सर्वाधिक त्रस्त होती हैं, जबकि उनका आफत को न्योता देने वाले मानव-निर्मित कारकों में योगदान नहीं होता। जलवायु कार्यकर्ताओं ने ब्रह्मपुत्र नदी तथा उसके बेसिन में प्रस्तावित पनबिजली विकास परियोजनाओं के प्रति भी आगाह किया है। जरूरी है कि जनभावना को ''विकास के ज्वर'' से ग्रस्त न होने दिया जाए।

पुण्यवानी से मानव भव मिला है इसे व्यर्थ मे न गंवाए : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

दासपां. शाबाश इंडिया। पुण्यवानी से मानव भव मिला है इसे व्यर्थ मे न गंवाए। रविवार को दासपां के गुरू संतोष सदन विशाल धर्मसभा मे संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने जैन समाज और सभी धर्मो के धर्मावलंबियों सम्बोधित करते हुए कहा कि चौरासी लाख योनियों के प्रश्चात इंसान को पुण्यवानी और भाग्य के उदय से मानव भव प्राप्त होता है। इसे व्यर्थ के कामों में मनुष्य को जीवन गंवाना नहीं चाहिए वरना अंत समय मे पश्चाताप और दुःख के सिवा वह कुछ भी हासिल नहीं कर पाएगा। समय रहते मनुष्य अपनी आत्मा के स्वरूप को जाग्रत कर लेता है तो वह नर से नारायण के समीप पहुंच सकता वह तभी सभंव हो सकता है जब इंसान संसारिक और भौतिक वस्तुओं को छोड़ने पर ही आत्मा के वास्तविक स्वरूप को पहचान लेने वाला मनुष्य आत्मा को नर से नारायण मे विलय करवा कर संसार के समस्त दुःखों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है बालयोगी अखिलेश मुनि कहा कि मनुष्य को घंमड नहीं करना चाहिए क्योंकि पल भर के जीवन पर मनुष्य दौलत और शोहरत पर वह घमंड कर रहा जबकि एक रूपया भी अपने साथ वो नहीं ले जा सकता है। युवाप्रणेंता महेश मुनि ने भजन जीवन सफल बनाना है के द्वारा अपने मन के भाव रखें। धर्मसभा मे सकल जैन समाज और सम्पूर्ण गांववासियों की उपस्थिति रही। धर्मसभा और सामूहिक महामंत्र नवाकर के जाप मे भाग लेने वाले सभी भाई-बहनों को प्रभावना दी।

दिल्ली युवाजन के नवीन अध्यक्ष, अजय महामंत्री निर्वाचित

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। जैसवाल जैन युवाजन के अध्यक्ष एवम मंत्री का विधिवत निर्वाचन संपन्न हुआ जिसमें नवीन जैन पिंकी को अध्यक्ष एवम अजय जैन बॉबी को मंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। जैसवाल जैन युवाजन के पूर्व पदाधिकारी सुरेशचंद जैन (साउथ एक्स.) द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दिल्ली एन सी आर में निवासरत दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के युवाओं की संस्था जैसवाल जैन युवाजन है । जिसमें समाज के युवाओं का समाजसेवा के क्षेत्र में सर्वाधिक योगदान रहता है । सभी सदस्य पूर्ण समर्पण के साथ समाजोत्थान के कार्यक्रमों में सलंग्न रहते हैं। विगत दिवस संस्था के नवीन पदाधिकारियों का चयन किया गया । जिसमें सर्वसम्मति से नवीन जैन (पिंकी) राजाबजार को अध्यक्ष एवम अजय जैन (बॉबी) साउथ एक्स को महामंत्री चुना गया। जैसवाल जैन युवाजन के अध्यक्ष और महामंत्री के लिए निर्वाचन सभा में पूरी तरह से हुए लोकतांत्रिक चुनाव में प्रत्येक सदस्य को चुनाव प्रक्रिया में डायरेक्ट शामिल किया गया। सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया सीए रविंद्र जैन एवम सीए अजय जैन ने अत्यंत ही पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराई। शीघ्र ही अध्यक्ष एवं महामंत्री अपनी नई सम्पूर्ण कार्यकारिणी का गठन करेंगे। हम उम्मीद करते है और हमारी मंगल शुभकामनाएं आपके साथ हैं कि आप जैसवाल जैन युवाजन को एक नए शिखर पर ले जाएंगे ।

भगवान महावीर के 2623वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर की प्रेरणा से

मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT

सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक समाचार जगत

रक्तदान जीवन दान

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मधुबन कॉलोनी एवं

रक्तदान जीवन दान

जय जिनेन्द्र महिला मण्डल एवं सेवार्थ संगठन द्वारा आयोजित

सेहुल की पुण्य स्मृति में

विशाल रक्तदान शिविर

रविवार, 7 अप्रेल 2024
प्रात : 9 से 1 बजे तक

मुख्य समन्वयक :
राजेश छाबड़ा
जितेन्द्र पाटौदी
संयोजक :
के सी जैन
मनोज रांवका

स्थान : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मधुबन, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मधुबन प्रबन्ध समिति
श्री अनिल टोंग्या अध्यक्ष
श्री अनिल छाबड़ा मंत्री

पुण्यार्जक परिवार
श्रीमती माणक देवी जी, श्री दिलीप जी -कामिनी जी, श्री किशोर जी-अरुणा जी,
श्री सुनील जी-नीरा जी,अभिनव जी-रुचि जी, अनिकेत जी-सृष्टी जी,
अनुराग जी-विशाखा जी, निखिल-आयुषी, विनिशा, अन्वी कासलीवाल (फागी वाले)

जय जिनेन्द्र महिला मण्डल
श्रीमती उषा छाबड़ा अध्यक्ष
श्रीमती मंजू पहाड़िया मंत्री

सेवा सप्ताह-महावीर इंटरनेशनल ने बलाड़ गौशाला में किया सेवा कार्य

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्य में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा अपने एक वर्ष पूर्ण होने पर सेवा सप्ताह के रूप में बनाया जा रहा हैं। सचिव रूपेश कोठारी ने बताया की संस्था अपने प्रथम वार्षिकी के अवसर पर संस्था सदस्यों के सहयोग से सेवा सप्ताह का आयोजन कर रही हैं। दीपक साँखला और शालीन मेहता ने बताया कि सेवा सप्ताह की कड़ी में बलाड़ ग्राम स्थित जुम्मी गोविंद गौशाला में गायों को हरे चारे एवं गुड़ का वितरण किया गया। जिसके लाभार्थी गौतम एवं पायल रांका परिवार रहा। चेयरमैन अशोक पालडेचा ने बताया कि संस्था अपने निर्माण के पहले दिवस से ही सेवा के कार्य कर रही है, जो अनवरत चालू हैं। संस्था का हर सदस्य अपने परिवार के हर आयोजन को सेवा के साथ मनाता है जो हर सामाजिक संस्था सदस्यों के लिये अनुकरणीय हैं। मनोज रांका एवं प्रदीप मकाना ने बताया कि कल निर्धन व्यक्तियों को भोजन एवं पक्षियो को पक्षी दाना का वितरण किया जाएगा। 7 अप्रेल को संस्था द्वारा अरिहंत भवन में दिलीप - वसन्ता भंडारी परिवार के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें संस्था सदस्यों के अलावा शहरवासियों द्वारा रक्तदान किया जाएगा। इस अवसर पर रतनदेवी रांका, गौतम रांका, अशोक पालडेचा, दिलीप भंडारी, योगेंद्र मेहता, रूपेश कोठारी, दीपक साँखला, मनोज रांका, मुकेश बाफना, प्रदीप मकाना, पंकज गादिया, अजय डोसी, सुरेन्द्र सुराणा, कमलेश जैन, वीर सिंह, ज्ञानचंद रांका आदि सदस्य उपस्थित थे।

स्वस्तिधाम प्रणेता स्वस्ति भूषण माताजी का मंगलवार को रामगंजमंडी नगर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

नगर आगमन को लेकर समाज में उत्साह की लहर

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। परम पूज्या भारत गौरव स्वस्ति धाम प्रणेता गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी का लगभग 13 वर्षों के बाद रामगंजमंडी नगर में मंगलवार की प्रातः बेला में मंगल आगमन होने जा रहा है। महामंत्री राजकुमार गंगवाल ने बताया कि समाज जन, युवा, महिला बच्चों एवं सभी में माताजी की अगवानी के लिए काफी उत्साह है एवं सभी माता जी की अगवानी के लिए आतुर हैं। गंगवाल ने बताया कि प्रातः बेला में झालावाड़ के तलाई मंदिर से मंगल विहार किया, मंगल विहार कर गुरु मां देवरीघटा आई जहां गुरु मां की आहारचर्या संपन्न हुई। आहारचर्या उपरांत रामगंजमंडी समाज अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़िया, कमल लुहाड़िया, प्रदीप सोनी, प्रकाश विनायका, रमेश विनायका, एवं शांतिनाथ महिला मंडल अध्यक्ष शोभना सांवला के साथ सुलोचना लुहाड़िया, ललिता विनायका, शकुंतला मित्तल, मनोरमा बाकलीवाल, रीनू विनायका माताजी के चरणों में श्रीफल अर्पित करते हुए रामगंजमंडी आगमन हेतु निवेदन किया। माताजी ने मंगल विहार करते हुए रात्रि विश्राम नयागांव स्थित शाह जी की फैक्ट्री पर किया। राजकुमार गंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की प्रातः बेला में पूज्य माताजी का नगर की सीमा पर स्थित कमल फिलिंग स्टेशन पैट्रोल पंप पर पहुंचकर समाज जन द्वारा उनकी मंगल आगवानी की जाएगी। जय घोष के साथ उन्हें नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया जाएगा। माताजी श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन भी करेगी। एवं उसके बाद शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में एक धर्म सभा आयोजित की जाएगी। जिसमें शांतिनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल रामगंजमंडी द्वारा भव्य मंगलाचरण की प्रस्तुति दी जाएगी। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में

मुख्य प्रायोजक R K GROUP सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd. सह प्रायोजक समाचार जगत

J B Distributors द्वारा

विशाल रक्तदान शिविर

रक्तदान जीवन दान GIVE BLOOD GIVE LIFE

शनिवार, 6 अप्रेल 2024
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थानः- ई-195-ए, कबीर मार्ग, लक्ष्मी प्रकाश गारमेंट्स, मानसरोवर, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

ORGANISER :
Raj Kumar Jain, Neelam Kumar Jain, Arun Somani
Kishan Somani, Atal Jain, Vishwas Jain, Ankit Jain
Amit Jain, Prateek Jain, Gaurav Jain, Yash Jain

CO-ORDINATOR :
Pradeep, Madhu Sudhan Bihani, Sudhanshu,
Ankit, Gaurav Rathi, Pankaj Godha, Abhishek Godha
Ravi Sogani Mehul Sogani, Ashish Jain, Shrawan Jain

एनएमएसीसी ने बनाया रिकॉर्ड, एक साल में 700 शो देखने पहुंचे 10 लाख से अधिक दर्शक

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर की पहली वर्षगांठ पर चार दिनों उत्सव शुरू। अमित त्रिवेदी ने दी पहली प्रस्तुति 'भारत की लोक यात्रा'

मुंबई. शाबाश इंडिया

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर यानी एनएमएसीसी अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा है। अपने पहले ही साल में एनएमएसीसी ने कला की दुनिया के कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। पिछले 366 दिनों में एनएमएसीसी में 670 कलाकारों ने 700 से अधिक शो किए। दर्शकों ने भी इन शो पर खूब प्यार बरसाया। इन शो को देखने 10 लाख से अधिक दर्शक एनएमएसीसी पहुंचे। इन शो में 'सिविलाइजेशन टू नेशन' जैसे भारतीय नाट्यकला से लेकर 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' जैसे प्रतिष्ठित ब्रॉडवे संगीत तक सबकुछ था। पहली वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए एनएमएसीसी में चार दिनों तक लगातार विशेष शो होंगे। पहले दिन अमित त्रिवेदी ने 'भारत की लोक यात्रा' नाम से एक शानदार प्रस्तुति दी। मंच पर उनका साथ पूरे भारत से आए गायकों और संगीतकारों ने दिया। वर्षगांठ पर एनएमएसीसी की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने कहा कि पिछले एक वर्ष में एनएमएसीसी ने विभिन्न कला परंपराओं के उस्तादों की मेजबानी की है। युवा उभरते कलाकारों को समर्थन दिया है। भारत और दुनिया भर के बेहतरीन शास्त्रीय और लोक संगीत से लेकर, यादगार नाटकों व नृत्य प्रदर्शन आयोजित किए हैं। हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि कला, कलाकारों और दर्शकों के लिए एनएमएसीसी एक बेमिसाल जगह बन कर उभरा है। उन्होंने आगे कहा - मुकेश और मैंने साथ मिल कर एक सपना देखा था कि हम एक ऐसा केंद्र बनाएं जो कला संस्कृति और ज्ञान की त्रिवेणी का संगम हो। जहां संगीत को नए स्वर मिलें, नृत्य को नयी ताल, कला को नया घर मिले और कलाकारों को नया आसमान। आज मैं बड़ी विनम्रता और आत्मविश्वास के साथ यह कह सकती हूं कि वो सपना अब हकीकत बन चुका है।

बड़े हर्षोल्लास से हुआ फागोत्सव एवं परिचय सत्र वीर सेवा संघ का

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अग्रवाल भवन में वीर सेवा संघ का फाग उत्सव एवं परिचय सत्र बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। सभी आगंतुक सदस्यो का गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत किया एवं अल्पाहार के पश्चात कई तरह के कपल गेम खिलाये गए तथा डीजे पर होली के गीतों के साथ सभी ने सामूहिक नृत्य करते हुए उत्सव का आनंद लिया। संरक्षक एनसी जैन एवं भीलवाड़ा के सभी मंदिरों के अध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर परिचय सत्र का शुभारंभ किया। मंत्री सुशील जैन शाह ने स्वागत उद्बोधन दिया, अध्यक्ष सुभाष जैन हुमड ने वीर सेवा संघ के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि,दिगंबर जैन समाज में कोई आर्थिक अभाव के कारण पढ़ने से वंचित न रहे, चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे, कोई भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे, इस हेतू लगातार कैंप लगाए जाएंगे। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने परिवार सहित अपना अपना परिचय दिया। इस दौरान वीर सेवा संघ लेडिज एवं वीर सेवा संघ यूथ का गठन किया गया, जिसकी कार्यकारिणी शीघ्र ही घोषित की जायेगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश जैन गोधा ने सबका आभार प्रकट किया। संचालन दीप्ति अजमेरा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं युवा उपस्थित थे।

हमने उन्हें आयुर्वेद सिखाया और समय प्रबंधन उनसे सीखा: डॉ. आस्था जैन

सनावद. शाबाश इंडिया

भारत विश्व गुरु था, है और रहेगा, केवल हमें जागने की आवश्यकता है। योग, प्राणायाम, आयुर्वेद भारतीय जीवन संस्कृति के अभिन्न अंग थे, जिन्हें हम भूल गए, जब 'योग' विदेश पहुंचा तो 'योगा' बनकर लौटा तो हम उसे अपनाने लगे, इसी प्रकार आयुर्वेद भी भारतीय चिकित्सा विज्ञान का सब कुछ है जिसे विदेशों में स्वीकार्य किया जा रहा है, जब वह आयुवेर्दा बनकर लौटेगा, शायद तब हम आयुर्वेद का महत्व समझ पायेगे। भगवान धन्वंतरि, महर्षि चरक, महर्षि सुश्रुत, महर्षि वागभट्ट ने हमे सबकुछ सिखाया है। भारत कोरिया नालेज एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत, दक्षिण कोरिया से लौटी अन्तर्राष्ट्रीय आयुवेर्दाचार्य डॉ. आस्था जैन ने बताया कि हमने उन्हें आयुर्वेद सिखाया और कैसे समय के हर पल का सदुपयोग किया जाता है यह उनसे सीखा। कार्य के प्रति जागरूक, समर्पण, स्वच्छता ,सुंदरता दक्षिण कोरिया की विशेषता है वहा काम ही पूजा है बाकी काम दूजा है।सनावद के अनुपमा - राजेन्द्र जैन महावीर की सुपुत्री डॉ. आस्था जैन तीन माह के लिए दक्षिण कोरिया गई थी। डॉ. आस्था ने बताया कि भारत सरकार आयुष मंत्रालय धर्म आयुर्वेद भोपाल के अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य प्रशांत तिवारी जी के मार्गदर्शन में उन्होंने दक्षिण कोरिया के सुकजोंग वैलपर्क हॉस्पिटल में उनकी मेन्टोर डॉ. मियन्ग किम के साथ कैंसर रोगियों पर आयुर्वेद के सफल प्रयोग किये, और भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व को स्थापित किया।

भारतीय आहार शाकाहार का प्रयोग सार्थक रहा

शाकाहार की विशेषताओ से अनभिज्ञ कोरियावासियों को जब भारतीय खिचड़ी, हल्दी दूध व भारतीय आयुर्वेद भोजन कराया तो वे अंगुलिया चाटते नजर आए, उनकी भूख बढ़ने लगी। जो चार- पाँच दिन से कुछ खा नहीं पा रहे थे वे मरीज भी भरपेट भोजन करने लगे। एक मरीज जिसका शरीर भयानक तप रहा था, उस पर पंचकर्म आदि आयुर्वेदिक प्रयोग किया गया तो उसे आधे घण्टे में फायदा हुआ। सुकजोंग वेलपार्क हास्पीटल गोचंग सिटी में डॉ. आस्था जैन ने 60 कैंसर मरीजों पर भारतीय आयुर्वेद के प्रयोग किये जो सफल व सार्थक रहे।

जब मरीज ने खुश होकर दिये दो कट्टे चावल

डॉ. आस्था जैन ने बताया कि आयुर्वेद, इलाज से प्रसन्न एक कोरियन कृषक मरीज ने कहा कि आप क्या खाते है, तो डॉ. आस्था ने कहा कि वे तो अपना भोजन स्वयं बनाती है यहां का बना हुआ नहीं खाती है तो कृषक मरीज ने चावल जिसे कोरियन लोग हंगुल भाषा में 'बाप' बोलते है लाने को कहा, तो उनके द्वारा हाँ कहने पर वे दो कट्टे चावल गिफ्ट कर गया। एक महिला मरीज इतनी प्रसन्न थी कि डॉ आस्था के लिए प्रतिदिन सेवफल लेकर आती रही। डॉ आस्था अपने दिन का शुभारंभ नमोकार महामंत्र से व भगवान धन्वंतरि की पूजा से करती रही, अपने सम्मान के दौरान वे भारतीय परिधान पहन कर गई जिसे सभी ने सराहा व साड़ी पहनने के तरीके भी पूछे।

आयुर्वेद को भारतीय चिकित्सा ब्रांड बनायेंगे : डॉ. प्रशांत तिवारी

डॉ. आस्था जैन के गुरु व धर्म आयुर्वेद भोपाल के फाउण्डर व दक्षिण कोरिया सरकार में राज्य कन्वीनर अन्तरर्राष्ट्रीय आयुवेर्दाचार्य वैद्य प्रशांत तिवारी ने बताया कि डॉ. आस्था ने कोरिया में जो उपलब्धियाँ हासिल की है वे भारत के लिए गर्व का अनुभव कराती है, युवा आयुर्वेद चिकित्सकों के माध्यम से मिनी इंडिया प्रोजेक्ट पर कार्य हो रहा है, इस हेतु कोरिया का प्रतिनिधि मण्डल ने उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली विश्वविद्यालय , पं. खुशीलाल शर्मा शा. आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल, अखिल भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा अनुसंधान संस्थान दिल्ली के साथ डॉ. मियन्ग किम के साथ आए प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर आयुर्वेद को वैश्विक बनाने का प्रयास कर रहे है। शीघ्र ही कोरिया में हैल्थ एक्स पो भी लगाया जायेगा। वैलपर्क हॉस्पिटल के प्रमुख जनों ने डॉ. आस्था जैन को सर्टिफिकेट व गिफ्ट देकर सम्मानित किया। डॉ. किम ने डॉ. आस्था जैन द्वारा प्रस्तुत प्रोग्रेस रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्य व रिपोर्ट से कैंसर मरीजों के इलाज में सहयोग मिलेगा। अनेक स्नेही जनों ने डॉ. आस्था जैन व उनके परिजनों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी। उल्लेखनीय है कि डॉ. आस्था ने विगत वर्ष विश्व आयुर्वेद कांग्रेस गोवा में भाग लिया था।

मोहल्लावासियों ने आपस में दी होली की बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

मंगल मार्ग मौहल्ला समिति, बापू नगर , जयपुर द्वारा मंगलमार्ग स्थित बी-122 सराफ लान में पारिवारिक होली मिलन समारोह का आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सराफ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह के प्रारम्भ में समिति के सचिव हीरा चन्द बैद ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए होली की बधाईयां दी व विगत वर्ष की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की । समारोह में सभी ने आपस में होली की बधाईयां दी वहीं पर अन्य कार्यक्रमों के साथ हाऊजी का रोचक खेल खिलाया गया। नरेंद्र कचोलिया, हिमांशु जैन, श्रीमती संजय भण्डारी, दिपांशु जैन, श्रीमती बीना कचोलिया ने अपने मधुर स्वरों में गीत प्रस्तुत किए। बालिका जिआना ने ''लोग कहते हैं भगवान आते नहीं, लोग मीरा के जैसे बुलाते नहीं'' पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। समारोह में समिति के संस्थापक आर. के. चतर ने समिति की स्थापना के उद्देश्यों के बारे में अवगत कराया। समारोह में विनोद शर्मा, शान्ति लाल गंगवाल, अतुल सौगानी, अरुण मिश्रा, राजेन्द्र कचोलिया, अनिल मेहता, डा. केवल गुप्ता, राकेश चतर आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया। गऊ काष्ठ होली का किया दहनः पर्यावरण संरक्षण हेतु परम्परागत काष्ठ होली के स्थान पर श्रवण कुमार सेठी द्वारा उपलब्ध कराई गई गऊ काष्ठ होली का दहन किया गया जिसकी सभी ने प्रशंसा की। राकेश चतर, हीरा चन्द बैद, राजेश जैन बडजात्या, एस. के. सेठी के सराहनीय कार्यों व सेवाओं की सराहना की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशल ग्रुप, विजयनगर का होली स्नेह मिलन आयोजित

अजमेर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप, विजयनगर के होली स्नेह मिलन समारोह में जैन सोशल ग्रुप अजमेर की पूर्ववर्ती अध्यक्ष और वर्तमान में नॉर्दन रीजन राजस्थान की जोन कॉर्डिनेटर रूपश्री जैन ने शिरकत की। इस अवसर पर विजयनगर के जैन सोशल ग्रुप के समस्त पदाधिकारी एवं विजयनगर समाज के भामाशाह नाबेडा , पुष्करा रिसोर्ट अजमेर के दिलीप मेहता ने होली के बादशाह और बीरबल की भूमिका निभाई। इस अवसर पर फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के बीच रैंप वॉक प्रस्तुत किये गए। जिसमें निर्णायक की भूमिका अजमेर की रूपश्री जैन द्वारा निभाई गयी। कार्यक्रम में जेनेट्री क्लब, विजयनगर के अनुराग लुहाड़ियां ने भी शिरकत की। इस अवसर पर विजयनगर के कोग्टा रिसोर्ट में कई रंगारंग कार्यक्रम हुए, जिसमें सभी ने बढ़ - चढ़ कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। सभी के लिए सहभोज का आयोजन किया गया व सभी आगुन्तको का गुलाल का टीका लगाकर स्वागत किया गया।

धूमधाम से मनाया गया शीतला सप्तमी

श्रद्धा और विश्वास के साथ शीतला माता को लगाया शीतल भोग

उदयपुर. शाबाश इंडिया। आस्था और विश्वास का पर्व ''शीतला सप्तमी'' सोमवार को श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह 4 बजे से ही शहरभर के शीतला माता मन्दिरों में पूजन करने के लिए महिलाओं भीड़ लगने लगी। सजधज कर पूजन के लिए आईं गृहिणियों ने माता को शीतल खाद्य पदार्थों का भोग लगाकर कहानी सुनी। ऐसी मान्यता है कि शीतला माता के पूजन से चेचक जैसी संक्रामक बीमारियों का प्रकोप नष्ट होकर, तन-मन में शीतलता का वास होता है। शीतला सप्तमी के दिन गरिष्ठ भोजन की अपेक्षा, केवल ठंडा यानि रात का बना बासी भोजन खाने की प्रथा है, इसलिए इस त्यौहार को कहीं-कहीं बासौड़ा के नाम से भी मनाया जाता है। शीतला सप्तमी की पूर्व संध्या पर, रसोई की आग को शांत कर दिया जाता है, जो दिनचर्या से छुट्टी लेने और आध्यात्मिक प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने का प्रतीक है। यह शांति, देवी शीतला की पूजा के लिए अनुकूल है, जो कल्याण को बढ़ावा देकर गृहस्थ जीवन में शान्ति बनाए रखतीं हैं।

-कपिलदेव शर्मा, न्यूज एडिटर, राइटर, उदयपुर।

महिला मण्डल कीर्ति नगर द्वारा रंगोत्सव कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महिला मण्डल कीर्ति नगर द्वारा रंगोत्सव कार्यक्रम जैन भवन कीर्ति नगर जयपुर में मनाया गया। महिला मंडल अध्यक्ष कांता सौगनी और महामंत्री रीटा छाबड़ा ने बताया की रंगोत्सव में करीब 160 महिलाओं ने भाग लिया । प्रचार मंत्री शिप्रा बैद ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से की गई , उसके बाद मनोरंजक हाउसी, सरप्राइज गेम्स, नृत्य - नाटिका , फूलो की होली के साथ साथ मस्ती भरे गानों में सभी महिलायें बहुत देर तक मस्ती धमाल करते रहे। कोषाध्यक्ष सरोज जैन ने बताया कि इस अफसर पर लकी डॉ व सरप्राइज गिफ्ट भी बाटे गये और आँत में सभी ने स्वादिष्ठ भोज का भी आनंद लिया । दीप प्रज्वलन पूनम विनायका द्वारा किया गाया ।

किरण पटेल को मिला 'समरसता रत्न अवॉर्ड'

राजस्थान दिवस पर जयपुर में सम्मानित हुई, उदयपुर की बेटी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा जयपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 13 राज्यों व राजस्थान के सभी जिलों की प्रतिभाओं को उनकी सहराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ह्यसखीह्य वन स्टॉप सेन्टर, उदयपुर की केन्द्र प्रबन्धक किरण पटेल को, नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति न्यायमूर्ति परमानंद झा एवं राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा साफा, शॉल, मेडल व स्मृति चिन्ह भेंट कर ह्यराजस्थान समरसता अवॉर्डह्य से नवाजा गया। समारोह का शुभारंभ 22 राष्ट्रों के राष्ट्रध्वजों व सैकड़ों साधु-संतों के नेतृत्व में समरसता कलश यात्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर 99 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी प0 रामकिशन शर्मा, महावीर प्रसाद टोरडी, एडवोकेट कुलदीप प्रसाद शर्मा एवं एडवोकेट रामावतार चौधरी भी उपस्थित थे।

जसबीर सिंहः न्यूज एडिटर, राइटर, उदयपुर।

प्राचीन तीर्थ, मंदिर मूर्तियां हमारी अनमोल धरोहर

प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संबर्द्धन के लिए आगे आएं। उत्तरांचल उत्तराखंड के आंचलिक अधिवेशन में ललितपुर जनपद के तीर्थों के पदाधिकारी हुए शामिल। तीर्थक्षेत्र कमेटी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया गया सम्मान

ललितपुर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश उत्तराखंड का 30, 31 मार्च 2024 को आंचलिक अधिवेशन श्री अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ अतिशय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र रामनगर किला (बरेली) में सम्पन्न हुआ जिसमें ललितपुर जनपद के तीर्थक्षेत्रों के प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित हुए और तीर्थों के संरक्षण, संवर्द्धन पर विचार रखे तथा भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज श्रेष्ठि जम्बुप्रसाद जैन , गाजियाबाद, महामंत्री संतोष पेंडारी का भावभीना सम्मान बुंदेलखंड,ललितपुर जनपद की ओर से देवगढ़ तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष अनिल अंचल (उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश उत्तरा खंड तीर्थक्षेत्र कमेटी), शांतोदय अतिशय क्षेत्र चांदपुर जहाजपुर के अध्यक्ष डॉ अरविन्द जैन, महामंत्री धन्यकुमार जैन एडवोकेट , महामहिम डॉ महेंद्र कुमार जैन, प्रागैतिहासिक तीर्थ क्षेत्र नवागढ़ के महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा,नवागढ़ गुरुकुलम के कोषाध्यक्ष आनंदी लाल लुहर्रा, प्रचारमंत्री (मंत्री उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थक्षेत्र कमेटी) डॉ सुनील संचय , सुरेंद्र सोजना, एडवोकेट संदीप सोजना, सतोदय अतिशय क्षेत्र सिरोन जी (ललितपुर) के सुरेश बाबू एडवोकेट, अतिशय क्षेत्र सिरोन जी (मड़ावरा) के डॉ राकेश जैन, अतिशय क्षेत्र कारीटोरन से डॉ विजय जैन, अतिशय क्षेत्र मदनपुर के महामंत्री श्रीपाल जैन बमराना, अतिशय क्षेत्र आहार जी के अध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन आदि ने किया।

इस मौके पर तीर्थक्षेत्रों के संरक्षण व संवर्द्धन पर मंथन किया गया। तीर्थ क्षेत्रों का विकास एवं प्राचीनता पर अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बुप्रसाद गाजियाबाद ने कहा कि तीर्थक्षेत्र हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान हैं। उत्तर प्रदेश उत्तरांचल कमेटी के अध्यक्ष जवाहर लाल जैन ने कहा कि प्राचीन तीर्थ, मंदिर मूर्तियां हमारी अनमोल धरोहर हैं।

इस मौके पर जनपद ललितपुर में स्थित देवगढ़, नवागढ़, चांदपुर-जहाजपुर, सिरोंन जी, मदनपुर, कारीटोरन, गिरार, पवाजी, बानपुर, बालाबेहट, दुधई आदि क्षेत्रों के बारे में अवगत कराया गया। जनक जननी ललितपुर के द्वारा निर्मित कल्याणायु मलम का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यकारणी का विस्तारः इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विस्तार की घोषणा की गई जिसमें उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप जैन पीएनसी आगरा, सुरेश जैन कुलाधिपति मुरादाबाद, विजय कुमार जैन अहमदाबाद, नीलम जैन अजमेरा, संजय जैन पापड़ीवाल, कोषाध्यक्ष अशोक दोसी मुंबई तथा मंत्री हसमुख गांधी इंदौर, डॉ जीवन प्रकाश जैन हस्तिनापुर, जयकुमार जैन लखनऊ आदि को बनाया गया। सभी नवीन पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। बैठक का संचालन महामंत्री संतोष पेंडारी ने किया।

इनका कहना है

-हमारी संस्कृति, आस्था के प्रतीक हैं तीर्थक्षेत्र। बुंदेलखंड में हमारी विरासत बिखरी पड़ी है। इन प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संबर्द्धन के लिए आगे आएं।

-अनिल जैन अंचल, अध्यक्ष तीर्थक्षेत्र देवगढ़

-बुंदेलखंड, ललितपुर में अनेक प्राचीन ऐतिहासिक विरासत समेटे अतिशय व सिद्ध क्षेत्र हैं। ये हमारी विरासत की अमूल्य धरोहर और हमारी पहचान हैं। ये तीर्थ, मंदिर, मूर्तियां हमारे अतीत के गौरव हैं । - डॉ सुनील संचय, मंत्री तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड

-ललितपुर में जगह-जगह प्राचीन तीर्थक्षेत्र हैं, ये हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान हैं।

-डॉ अरविंद जैन अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र चांदपुर जहाजपुर

-भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एक बहुत पुरानी और प्रमुख संस्था है। नव निर्वाचित अध्यक्ष महोदय से काफी अपेक्षाएं हैं। प्रागैतिहासिक तीर्थ नवागढ़ के योजनाओं और महत्व से उन्हें अवगत कराया है।

- वीरचन्द्र जैन महामंत्री प्रागैतिहासिक तीर्थ नवागढ़

-प्राचीन तीर्थक्षेत्र हमारी आस्था, श्रद्धा के केन्द्रबिन्दु हैं। मूर्तियां, तीर्थ क्षेत्र एवं वास्तुकला के विशिष्ट प्रतिमान हैं। - **एडवोकेट धन्यकुमार** जैन महामंत्री अतिशय क्षेत्र चांदपुर जहाजपुर प्राचीन धरोहरों को सुरक्षित, स्वच्छ रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है।

प्रेषक : डॉ सुनील जैन संचय
मंत्री उत्तराखंड उत्तरप्रदेश दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

जैन मन्दिर संघीजी में आचार्यश्री सुनील सागर ससंघ का मंगल प्रवेश आज 2 मार्च को

आदिनाथ जन्मोत्सव पर 3मार्च को निकलेगी रथयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मन्दिर संघीजी सांगानेर में श्री आदिनाथ जयंती महोत्सव के लिए परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश मंगलवार 2 मार्च को सुबह 8.30 बजे होगा और अगले दिन 3 मार्च को आदिनाथ जयंती महोत्सव पर रथयात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। महोत्सव की जानकारी देते हुए मंदिर प्रबंध समिति के मानद मंत्री नरेन्द्र पांडया ने बताया कि महोत्सव के तहत 2 अप्रैल को सुबह 7.30 बजे देवाधिदेव

पांडया ने बताया कि महोत्सव के तहत 3 अप्रैल को आदिनाथ जयंती के अवसर पर सुबह 7 .15 बजे मंदिर संघी जी से भव्य लवाजमें के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सांगानेर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सीटी बस स्टेंड होती हुई मंदिर आकर समाप्त होगी। इसके बाद ध्वजारोहण व देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की कलषाभिषेक व शांतिधारा होगी।

भगवान आदिनाथ कलशाभिषेक व शांतिधारा होगी। इसके बाद सुबह 8.30 बजे परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस मौके पर आचार्यश्री की पाद-प्रच्छालन व आरती उतारकर अगवानी की जाएगी तत्पश्चात आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन होंगे। इसीदिन दोपहर में 1.15 बजे संगीतमय भक्तामर विधान होगा। इसी दिन शाम को 7.30 बजे 2100 दीपकों से दीपोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। पांडया ने बताया कि महोत्सव के तहत 3 अप्रैल को आदिनाथ जयंती के अवसर पर सुबह 7.15 बजे मंदिर संघी जी से भव्य लवाजमें के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सांगानेर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सीटी बस स्टेंड होती हुई मंदिर आकर समाप्त होगी। इसके बाद ध्वजारोहण व देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की कलषाभिषेक व शांतिधारा होगी। इसके बाद आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन, अतिथियों को सम्मान के बाद आचार्य संघ की आहार चर्या, व साम को 1008 दीपकों से भव्य आरती की जाएगी।

पुस्तक – अनुपमा (सब की सहेली) पत्रिका का प्रथम अंक स्त्री मन विशेषांक

पुस्तक समीक्षा

समीक्षक - सुशी सक्सेना

अनुपमा के प्रथम अंक स्त्री मन विशेषांक का सफल प्रकाशन अनुपमा एक ऐसी पत्रिका है जिसमें नये पुराने छोटे बड़े सभी तरह के कलाकारों को अपनी लेखनी चलाने का अवसर प्रदान किया जाता है और उन्हें सम्मान पत्र से सम्मानित किया जाता है। अनुपमा पत्रिका के शुभारंभ पर प्रथम अंक जो कि स्त्री मन पर आधारित था। उसका सफल प्रकाशन किया गया। उसमें बहुत से देश विदेश के रचनाकारों और सहयोगियों ने अपनी रचनाएं प्रकाशित करवाई, और जैसा की प्रथम अंक का विषय था स्त्री मन के अनुरूप अपने सृजन के माध्यम से बताया कि स्त्री मन की भावनाएं व्यक्त करना विविधता को समझने और सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। स्त्री मन में समाहित भावनाएं विविध हो सकती हैं, जैसे कि स्नेह, समर्थन, उत्साह, उम्मीद, चिंता, उत्साह, और साझा की हुई जिम्मेदारियों की भावना। इसके अलावा, विशेष रूप से मातृत्व, संवेदनशीलता, और साझेदारी के भाव भी महत्वपूर्ण होते हैं। व्यक्तिगत, सामाजिक, और सांस्कृतिक परिस्थितियों के आधार पर, ये भावनाएं भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट हो सकती हैं। इसकी शुरूआत करने वाली साहित्य के क्षेत्र की एक नवोदित लेखिका अनुपमा है। और इसके सहयोगी सलाहकार डौली झा, प्रशान्त श्रीवास्तव और कनिका शर्मा जी हैं। जिन्होंने इसे बेहद लोकप्रिय बनाने का संकल्प लिया है। पत्रिका के प्रथम अंक में सभी वर्ग के लोगों के लिए सभी तरह की आवश्यक जानकारी साहित्य के रूप में मिलेगी। साथ ही इसमें कहानी, गीत, कविता, कथा, लघुकथा, आत्मकथा, आलेख, संस्मरण, गृहसज्जा, फैशन, खान पान, रिश्ते, ब्यूटी टिप्स, हेल्थकेयर, बुक समीक्षा, यात्रा, करियर, पैरेन्टिंग, परवाह आदि सभी तरह की रचनाएं पढ़ने को मिलेंगी। इसे यूनिक फील पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। इसके लिए सभी से अनुरोध है कि एक बार अनुपमा पत्रिका को अवश्य पढ़ें।

अनुपमा (सब की सहेली)

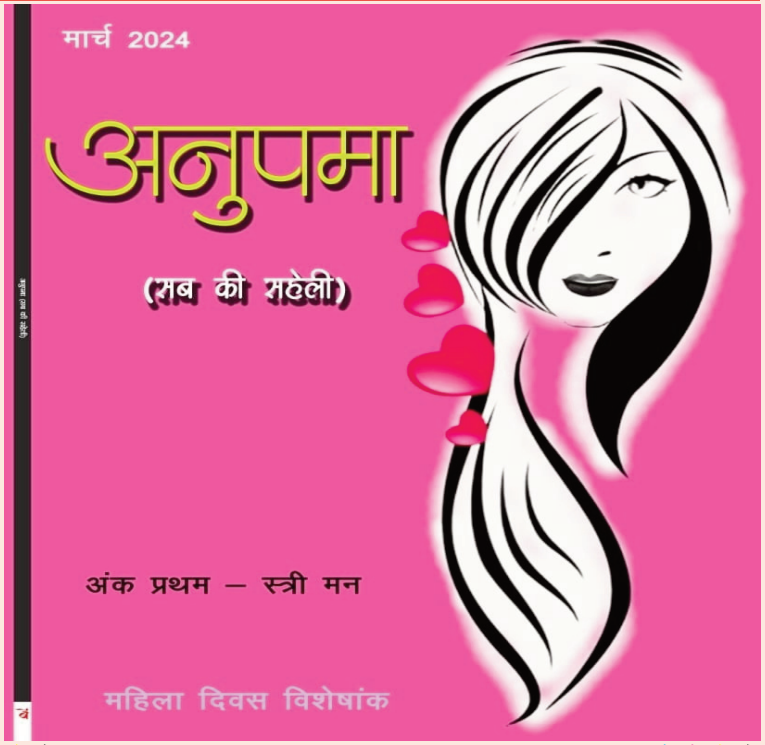

वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

जयकारों के बीच नवीन वेदियों में विराजे श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित जानकी पैराडाइज में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ के पावन सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ का समापन सोमवार को श्रीजी को नवीन वेदी व शिखर पर नवीन ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस मौके पर हुई धार्मिक क्रियाओं को देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या व महोत्सव समिति के महामंत्री राजेश पाटनी ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं शुरू हो गई, जिसके तहत ज्ञानकल्याणक पूजा, श्री जिनेन्द्र का पदम सरोवर पावपुर से आगमन,अग्नि कुमार द्वारा अंतिम विधि,अष्टगुण स्थापना के बाद मोक्ष कल्याणक पूजा हुई,जिसमें रोम-रोम से निकले प्रभुवर नाम तुम्हारा...महावीरा से ध्यान लगाना... जैसे भजनों पर प्रवीण-प्रिया बड़जात्या, महोत्सव समिति के महामंत्री राजेष पाटनी सहित अन्य श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नाचे। इसके बाद भक्तिभाव से निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इसके बाद विश्व में शांति की मंगल कामना के साथ, विश्व शांति महायज्ञ,शांतिपाठ हुआ। इस अवसर पर हुई धर्म सभा में आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा कि आज समय है कि हम सभी धर्म का आडंबर ना दिखाकर धर्म को अपने जीवन में अपनाकर मोक्षरूपी लक्ष्मी की ओर मार्ग प्रशस्त करें। महाराजश्री ने यह भी कहा कि विश्व में पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए भगवान महावीर के सिद्धांत आज 2600 वर्ष बाद भी कारगर हैं। उन्हें आचरण में लाना जरूरी है। इस अवसर पर संयोजक बुद्धि प्रकाश जैन व विपुल जैन,मंत्री आलोक काला सहित अनेक समाज श्रेष्ठी मौजूद रहे। महोत्सव समिति के महामंत्री राजेश पाटनी व महोत्सव के मुख्य संयोजक विकास बड़जात्या ने बताया कि श्री मंडप से मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई और बैंडबाजे के साथ निकली इस शोभायात्रा में श्रद्धालु भाव विभोर होकर नाच रहे थे। शोंभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई मंदिर पहुंची,जहां पर मंदिर लिफट का पुण्यार्जक परिवार श्रीमती ज्ञानदेवी, राजेश कुमार-समता पाटनी,जितेन्द्र -खुशबू, ईषिता,मानव व जीविका पाटनी परिवार ने किया। इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनोज शास्त्री सागर वालों ने विधान विधान से नवीन वेदियों में श्रीजी को विराजमान कराया। इस दौरान आसपास का क्षेत्र श्रद्धा और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया।इसके बाद शिखर पर नवीन ध्वजारोहण हुआ। महोत्सव का समापन ध्वज विसर्जन,क्षमायाचना आदि से हुआ।शिखर पर नवीन ध्वजारोहण, आरती, क्षमायाचना के साथ समापन हुआ।

रामपुरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

प्रथमेश आदिनाथ का जन्मकल्याणक मनाएगा जैन समाज

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा राजस्थान। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्मकल्याणक बुधवार को जैन समाज बड़ी धूम धाम के साथ हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में मनाएगा ।दिगम्बर जैन यात्रा संघ के तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में दिगम्बर जैन श्रमण संघ के महामुनिराज श्रुत संवेगी 108 श्री आदित्य सागर जी (4 पिच्छी ससंघ) का मंगल सानिध्य प्राप्त हो रहा है। अध्यक्ष चेतन जैन (रामगढ़) ने जानकारी देते हुए बताया कि करोड़ो वर्ष पूर्व जैन धर्म के आदि तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी के दिन हुआ था, उन्ही प्रथमेश के जन्म को कल्याण दिवस मानते हुए पिछले कुछ वर्षों द्वारा रामपुरा जैन समाज द्वारा महोत्सव के रूप में मनाया जाता है।प्रवक्ता राकेश जैन 'चपलमन' ने बताया कि आयोजन हेतु सोमवार को प्रातः 7 बजे कैथूनीपोल जैन मंदिर पर सैकड़ो श्रावकों ने मुनिसंघ की मंगल आगवानी की ओर वही से शोभायात्रा के रूप में गाजे बाजे के साथ मुनिसंघ का रामपुरा में मंगल प्रवेश हुआ। बड़ा मन्दिर में सर्वप्रथम मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कैलाश बाजटा परिवार एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य निखिलेश सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने उद्धबोधन में कहा कि दूसरों से ईर्ष्या रखते हो मतलब कपोत लेश्या में फंसे हो ओर ईर्ष्या करने से लाभ नही हानि ही होती है ।हम दूसरे की सफलता या ऊँचाई को देखकर उससे ईर्ष्या करने लगते है जबकि कुछ भी पाने के लिए ईर्ष्या नही पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। ओर स्वयं प्रशंसा करने वाला व्यक्ति भी कपोत लेश्या का ही प्रतीक है, इसलिए खुद को ज्ञानी मानने में कोई एतराज नही पर खुद को ज्ञानी कहना कापोत लेश्या में आता है ।मंगलवार को भी प्रातः 8:30 बजे मंगल प्रवचन एवं सांय 6:30 बजे आगम से समाधान बड़ा मन्दिर में ही आयोजित होंगे। संयोजक पदम टोंग्या ने कहा कि बुधवार को प्रातः 7:30 बजे श्रीजी को रथ में आरूढ़ करते हुए मोरी के हनुमानजी, आर्यसमाज रोड, रामपुरा लिंक रोड होते हुए गीता भवन तक शोभायात्रा निकाली जायेगी जिसमें रामपुरा के प्रसिद्ध महिला बैंड के साथ सभी महिलाएं केसरिया साड़ी व पुरूष सफेद वस्त्रों में शामिल होंगे। सौधर्म इंद्र, कुबेर, भगवान के माता पिता एवं विभिन्न इंद्र बग्गियों में सवार होकर गीता भवन पहुचेंगे जंहा श्री जी का पांडुक शिला पर जन्माभिषेक होगा।